2030 तक सात प्रतिशत रहेगी विकास दर

मुख्य आर्थिक सलाहकार बोले, बुनियादी सुविधाओं-डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास से यह संभव होगा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन का मानना है घरेलू और वैश्विक माहौल को देखते हुए, दशक के अंत तक भारत की विकास दर प्रत्येक वर्ष 6.5-7% रह सकती है। बुनियादी सुविधाओं एवं डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास से यह संभव दिख रहा है, लेकिन इसे पाने के लिए मैन्युफैक्चरिंग में एसएमई की हिस्सेदारी को बढ़ाना होगा।

कारोबार के लिए नियमों के भार को कम करना होगा और सप्लाई चेन की मजबूती के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करना होगा। बुधवार को नेशनल काउंसिल आफ अप्लायड इकोनमिक रिसर्च (एनसीएईआर) की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में नागेश्वरन ने कहा कि इस बार अच्छा मानसून रहने से खुदरा महंगाई आरबीआइ के अनुमान के मुताबिक चार प्रतिशत के स्तर पर रहने का अनुमान है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भी विकास दर सात प्रतिशत से अधिक रह सकती है।

वैश्विक स्थितियां बदल रही हैं और उसे ध्यान में रखते हुए हमें घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कौशल विकास, स्वास्थ्य सुविधा जैसी चीजों पर फोकस करना होगा। निजी सेक्टर का निवेश भी बढ़ रहा है और घरेलू बचत का पोर्टफोलियो शिफ्ट हो गया है। मतलब बैंक में पैसा जमा करने की जगह लोग रियल एस्टेट, शेयर बाजार जैसी जगहों पर पैसा लगा रहे हैं।

-वी अनंत नागेश्वरन, मुख्य आर्थिक सलाहकार

- वी अनंत नागेश्वरन ने कहा-विकास दर बनाए रखने के लिए मैन्यूफैक्चरिंग में एसएमई की हिस्सेदारी को बढ़ाना होगा।
- नियमों के भार को कम करना होगा और सप्लाई चेन की मजबूती के लिए बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाना होगा।

जनसंख्या वृद्धि दर कम होना अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी बात

एनसीएईआर की महानिदेशक और प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएमईएसी) की सदस्य पूनम गुप्ता ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुमान के मुताबिक इस साल वैश्विक व्यापार और विकास दर दोनों में बढ़ोतरी होगी जबकि महंगाई में कमी आएगी। वहीं, घरेलू अर्थव्यवस्था पहले से ही मजबूत स्थिति में है। इस आधार पर भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर इस साल और अगले साल सात प्रतिशत से अधिक रहने की उम्मीद की जा सकती है। गुप्ता ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी बात यह है कि हमारी जनसंख्या वृद्धि दर कम हो रही है जबकि विकास दर बढ़ रही है। 1990 में जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 प्रतिशत थी जो अब एक प्रतिशत हो गई है। सरकारी स्थायित्व से नीतिगत जोखिम कम हो गया है। बारिश पर कृषि की निर्भरता कम हुई है, विदेशी मुद्रा के भंडार के साथ बैंकों से कर्ज देने की दरों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इस मौके पर विश्व बैंक के कंट्री निदेशक आगस्टे टैनो ने कहा कि वैश्विक विकास दर अच्छी रही तो भारत की विकास दर आठ प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

पूनम गुप्ता